

श्रीः

श्रीमते निगमान्त महादेशिकाय नमः  
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।  
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

तिरुमङ्गैयाळ्वार् अरुळिच्चैय्द  
॥ पण्डै ॥

*This document\* has been prepared by*

***Sunder Kidambi***

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

---

\*This was typeset using skt, L<sup>A</sup>T<sub>E</sub>X, Itrans, skt and the xdvng font.

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ पण्डै ॥

तिरुवरङ्गम् - 4

‡पण्डै नान्मरैयुम् वेळ्वियुम् केळ्वि प्पदङ्गळुम्\* पदङ्गळिन् पौरुळुम्\*  
पिण्डमाय् विरित्त पिरङ्गळि अनलुम्\* पैरुगिय पुनलौडु निलनुम्\*  
कौण्डल् मारुदमुम् कुरै कडल् एळुम्\* एळु मा मलैगळुम् विशुम्बुम्\*  
अण्डमुम् तानाय् निन्ऱ एम् पैरुमान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ १ ॥

इन्दिरन् पिरमन् ईशन् एन्ऱिवर्गळ्\* एण्णिल् पल् गुणङ्गळे इयट्ट\*  
तन्दैयुम् तायुम् मक्कळुम् मिक्क शुट्टमुम्\* शुट्टि निन्ऱगला  
प्पन्दमुम्\* पन्दम् अरुप्पदोर् मरुन्दुम् पान्मैयुम्\* पल् उयिर्क्केल्लाम्\*  
अन्दमुम् वाळ्वुमाय एम् पैरुमान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ २ ॥

मन्नु मा निलनुम् मलैगळुम् कडलुम्\* वानमुम् दानवर् उलगुम्\*  
तुन्नु मा इरुळाय् तुलङ्गळि शुरुङ्गि\* तौल्लै नान्मरैगळुम् मरैय\*  
पिन्नुम् वानवर्क्कुम् मुनिवर्क्कुम् नल्गि\* प्पिरङ्गिरुळ् निरम् केड\* औरुनाळ्  
अन्नमाय् अन्ऱङ्गरु मरै पयन्दान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ ३ ॥

मा इरुङ्गुन्ऱम् औन्ऱु मत्ताग\* माशुणम् अदनौडुम् अळवि\*  
पा इरुम् पौवम् पगडु विण्डलर्\* प्पडु तिरै विशुम्पिडै प्पडर्\*  
शेयिरु विशुम्बुम् तिङ्गळुम् शुडरुम्\* देवरुम् ताम् उडन् तिशैप्प\*  
आयिरम् तोळाल् अलै कडल् कडैन्दान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ ४ ॥

**Attention:** New letters have been introduced to facilitate reading Tamil texts in devanaagarii. Distinction has been made between certain short and long consonants that do not exist in devanaagarii. For e.g., नै and ने should be treated with the same distinction as that exists between नि and नी. The letters ए and ए, and औ and ओ, should be treated with the same distinction. The letter ळ denotes the za in Tamil. For e.g., aazvaar would be written as आळ्वार् in devanaagarii.

एडुने उय्वर् दानवर् निनैन्दाल्\* इरणियन् इलङ्गु पूण् अगलम्\*  
 पौङ्गु वैङ्गुरुदि पौन् मलै पिळन्दु\* पौळिदरुम् अरुवि औत्तिळिय\*  
 वैङ्गण् वाळ् एयिदोर् वैळ्ळि मा विलङ्गल्\* विण्णुर् क्कनल् विळित्तैळुन्ददु\*  
 अडुनेयौक्क अरियुरुवानान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ ५ ॥

आयिरम् कुन्ऱम् शेन्ऱु तौक्कनैय\* अडल् पुरै एळिल् तिगळ् तिरळ् तोळ्\*  
 आयिरम् तुणिय अडल् मळु प्पदि\* मट्टवन् अगल् विशुम्बणैय\*  
 आयिरम् पेराल् अमरर् शेन्ऱैऱैज्ज\* अरिदुयिल् अलै कडल् नडुवे\*  
 आयिरम् शुडर् वाय् अरवणै तुयिन्ऱान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ ६ ॥

शुरि कुळल् कनिवाय् तिरुविनै प्पिरित्त\* कौडुमैयिन् कडु विशै अरक्कन्\*  
 एरिविळित्तिलङ्गु मणि मुडि पौडि शेय्दु\* इलङ्गै पाळपडुप्पदर्कैण्णि\*  
 वरि शिलै वळैय अडुशरम् तुरन्दु\* मरि कडल् नैरिबड\* मलैयाल्  
 अरिगुलम् पणि कौण्डलै कडल् अडैत्तान्\* अरङ्गमानगर् अमरन्दाने ॥ ७ ॥

ऊळियाय् ओमत्तुच्चियाय्\* औरुगाल् उडैय तेर् औरुवनाय्\* उलगिल्  
 शूळि माल् यानै तुयर् कैडुत्तु\* इलङ्गै मलङ्ग अन्ऱुडु शरम् तुरन्दु\*  
 पाळियाल् मिक्क पार्त्तनुक्करुळि\* प्पगलवन् औळि कैड\* पगले  
 आळियाल् अन्ऱङ्गाळियै मरैत्तान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ ८ ॥

पेयिनार् मुलै ऊण् पिळ्ळैयाय्\* औरुगाल् पैरु निलम् विळुङ्गि अदु मिळ्न्द  
 वायनाय्\* मालाय् आल् इलै वळर्न्दु\* मणि मुडि वानवर् तमक्कु  
 च्चेयनाय्\* अडियेर्कणियनाय् वन्दु\* एं झिन्दैयुळ् वैन्दुयररुक्कुम्\*  
 आयनाय् अन्ऱु कुन्ऱम् औन्ऱैडुत्तान्\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दाने ॥ ९ ॥

‡पौन्नु मा मणियुम् मुत्तमुम् शुमन्द\* पौरु तिरै मा नदि पुडै शूळ्न्दु\*  
 अन्नम् आडुलवुम् अलै पुनल् शूळ्न्दु\* अरङ्ग मा नगर् अमरन्दानै\*  
 मन्नु मा माड मङ्गैयर् तलैवन्\* मान वेल् कलियन् वाय् औलिगळ्\*  
 पन्निय पनुवल् पाडुवार्\* नाळुम् पळविनै पट्टरुप्पारे ॥ १० ॥

॥ तिरुमङ्गैयाळ्वार् तिरुवडिगळे शरणं ॥